आज़ादी का अमृत महोत्सव

North Central Railway

PRAMOD KUMAR
General Manager

My dear team mates..

At the outset, I extend my heartiest New Year greetings to all and wish we take NCR to the pinnacle of success in days to come.

It gives me a feeling of pride to laud your efforts done in 2021 which led NCR scaling new heights. I strongly feel that the momentum set in should continue for achieving bigger successes in 2022.

As a result of persistent efforts made by our grass root staff, NCR has been able to set new records in originating freight loading and corresponding revenue. We have tapped new loadings like fly ash from Udaipura, HSD from BPCL Panki and have revived the lost loading like that of paddy from Morena, to mention a few. Our performance and results achieved are no doubt better than that of previous years, nevertheless, it is the time we need to finetune our efforts further and explore new markets and diversify our loading basket.

NCR, whose punctuality lay in the figures of 40-50%, a few years ago, has now rose to the occasion and today our coaching punctuality stood close to 90%. This is a testimony of better planning and asset management by our officers and staff. Removal of bottlenecks and capacity enhancements have significantly contributed to our punctuality performance. We have been able to complete doubling work of Jhansi-Orai section, tripling work of Jhansi- Babina and quadrupling work of Hodal- Vrindavan this year. In addition automatic signaling work between Kanpur-Prayagraj has reached in its last leg. Work of bidirectional middle line and automatic third line between Ghaziabad-Aligarh is also in its final stage with work done on a war footage in 2021, and 2022 will witness its completion.

Indian Railways has set an ambitious target of net zero carbon emitter by 2030. In pursuance of it, NCR has aggressively pursued for electrification, with many of its routes have completed electrification work in 2021. We have completed electrification of Bandikui-Bharatpur, Udimor-Bhandai, Birlanagar-Udimor, Mahoba-Khajuraho, Mainpuri-Shikohabad among others and with the persistent efforts of all of you, will be able to complete remaining electrification works this year to make NCR fully electrified. As a corollary to the electrification, we have been able to shift diesel trains upon electric thereby minimizing detentions on account of traction changing.

NCR has been giving utmost emphasis on environmental aspects. In tune with it, solar power is being used under Solar Power Mission which is contributing significantly in reducing carbon footprints. This is the result of excellent upkeep of solar plants by our staff that we are continuously performing well in solar energy production.

In recognition of NCR efforts in energy conservation, one national level and three state level awards won by NCR speak volumes of the commitment shown by our staff.

Safety has been of paramount priority for us. Work of construction of ROBs/RUBs is going on at full pace and elimination of level crossings is being done at a rapid pace. Our staff has always been alert and we have witnessed instances where major mishaps have been averted on account of safety consciousness of our staff. To honour their contribution, we have started the scheme of safety awards every month with nomination of employee of the month.

In a major boost to safety, mechanical signalling is being replaced by electronic interlocking.

NCR's commitment towards passenger amenities is seen through the prisms of works done by providing lifts, escalators, FOBs, coach guidance displays, WiFis, electronic reservation charts at various stations. Works like improvement in platform surface and extension of platforms have also been completed and many are underway.

This is due to sustained efforts of our grass root staff that NCR has won Signal and Telecommunications shield for 2020-21.

The nation has witnessed one of the toughest times this year as COVID took tolls both in morbidity and mortality terms. I salute the determination and dedication of our medical and other staff who responded to the call and despite the pandemic gave their best. We have commissioned oxygen plants at Kanpur, Agra, Jhansi and Prayagraj, thus strengthening our battle against COVID.

Our security forces are responding not only to the needs of passenger security but are also marching ahead with humanitarian initiatives like collaborating with childline NGOs, working on Meri Saheli initiatives and imbibing the spirit of patriotism among masses through their performances on various occasions.

Exemplary service shown by Scouts and Guides, St. John Ambulance is worth commendable.

I also congratulate our Unions and Associations for their active participation and cordial collaboration.

At this juncture, when nation is celebrating Azadi ka Amrit Mahotsav and expectations from Railways are very high, let us rededicate ourselves to the cause of nation and lets commit to serve our people and our nation to the best of our potential. May this new year stands as a shining landmark year in the history of NCR and we complete our capacity expansion works with full pace. It is my firm belief that with a team of more than 66000 energetic, committed and dedicated mates, we will scale new heights in 2022 with continuation of our commitment towards safety, security, punctuality and cleanliness.

With best wishes..

Happy New year

Jai Hind

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर मध्य रेलवे

प्रमोद कुमार
महाप्रबंधक

प्यारे साथियों,

सर्वप्रथम, मैं आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूँ कि आने वाले दिनों में हम उत्तर मध्य रेलवे को सफलता के शिखर पर ले जाएंगे।

मैं गर्व की अनुभूति के साथ यह कह सकता हूं कि वर्ष 2021 में आपके प्रयासों के कारण उत्तर मध्य रेलवे ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां हांसिल की हैं। मुझे यह दृढ़ विश्वास है कि इस दौरान हमने जो गति हासिल की है वह 2022 में निर्धारित बड़ी सफलताओं को हासिल करने तक जारी रहेगी।

हमारे कर्मियों द्वारा निरंतर किए गए प्रयासों के परिणामस्वरूप, उत्तर मध्य रेलवे में प्रारंभिक माल–लदान और राजस्व अर्जन में नए रिकॉर्ड स्थापित हुए हैं। हमने उदयपुरा से फ्लाई ऐश, बीपीसीएल पनकी से एचएसडी जैसे नया लदान प्रारंभ किया है और मुरैना से धान की बंद हो चुकी लोडिंग को पुन: शुरु किया है। हमारा प्रदर्शन और प्राप्त परिणाम नि :संदेह पिछले वर्षों की तुलना में बेहतर हैं फिर भी यह वह समय है जब हमें अपने प्रयासों को और बेहतर बनाने और अपनी लोडिंग बास्केट में विविधता लाने की आवश्यकता है।

उत्तर मध्य रेलवे, जिसकी समय पालनता कुछ वर्ष पहले तक 40 से 50% के बीच रहती थी, वह आज बढ़कर 90% के करीब पहुंच गई है। यह हमारे अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा बेहतर योजना निर्माण तथा क्रियान्वयन और एसेट प्रबंधन का प्रमाण है। परिचालनिक बाधाओं के निराकरण और क्षमता वृद्धि ने हमारी समयपालनता के सुधार में उल्लेखनीय योगदान दिया है। इस वर्ष झांसी–उरई खंड पर दोहरीकरण, झांसी–बबीना की तीसरी लाइन और होडल–वृंदावन पर चौथी लाइन के कार्य हमने सफलता पूर्वक पूरे किए हैं। इसके अलावा कानपुर–प्रयागराज के बीच ऑटोमेटिक सिग्नलिंग का काम भी अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। गाजियाबाद–अलीगढ़ के बीच मध्य लाइन को बाई–डायरेक्शनल बनाने और स्वचालित तीसरी लाइन का काम भी अपने अंतिम चरण में है। वर्ष 2021 में युद्ध स्तर पर किए गए ये कार्य, 2022 में पूरे कर दिए जाएंगे।

भारतीय रेल ने 2030 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जक बनने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके अनुसरण में उत्तर मध्य रेलवे ने तेज गति से अपने रेल मार्गों के विद्युतीकरण के लिए प्रयास किए हैं। हमारे कई मार्गों के विद्युतीकरण कार्य 2021 में पूरे कर लिए गए हैं। इस क्रम में हमने बांदीकुई–भरतपुर, उडी मोड़ –भांडई, बिड़लानगर–उडी मोड़, महोबा–खजुराहो, मैनपुरी.शिकोहाबाद आदि खंडों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है और आशा है कि आप सभी के अथक प्रयासों से इस वर्ष उत्तर मध्य रेलवे को पूर्ण रूप से विद्युतीकृत करने के लिए शेष खंडों के विद्युतीकरण कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। विद्युतीकरण के फलस्वरूप डीजल ट्रेनों को इलेक्ट्रिक पर स्थानांतरित किया जा सका है जिससे ट्रैक्शन परिवर्तन के कारण होने वाले विलंब को कम किया जा सका है।

उत्तर मध्य रेलवे में पर्यावरणीय पहलुओं पर भी बल दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत सौर ऊर्जा मिशन के तहत सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है, इससे कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में सहायता मिल रही है। यह हमारे कर्मचारियों द्वारा सौर संयंत्रों के उत्कृष्ट रख–रखाव का परिणाम ही है कि हम सौर ऊर्जा उत्पादन में लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर जीते गए एक और राज्य स्तरीय तीन पुरस्कारों से न केवल ऊर्जा संरक्षण की दिशा में किए गए उत्तर मध्य रेलवे के प्रयासों को मान्यता मिली, बल्कि यह हमारे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता के परिचायक भी हैं।

संरक्षा हमारे लिए सर्वोपरि प्राथमिकता रही है। आरओबी/आरयूबी के निर्माण कार्य पूरी गति से चल रहे हैं तथा समपारों को हटाने का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। हमारे कर्मचारी सतर्कतापूर्वक दायित्व निर्वहन कर रहे हैं और हमने ऐसे उदाहरण देखे हैं जहां हमारे कर्मचारियों की संरक्षा जागरूकता के कारण बड़ी दुर्घटनाएं बचाई जा सकी हैं। उनके योगदान का सम्मान देने के लिए, हमने 'माह के कर्मचारी' की संरक्षा पुरस्कार योजना शुरू की है।

संरक्षा के दृष्टिगत मैकेनिकल सिग्नलिंग को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में परिवर्तित किया जा रहा है।

यात्री सुविधाओं के प्रति उत्तर मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता के क्रम में विभिन्न स्टेशनों पर लिफ्ट, एस्केलेटर, एफओबी, कोच गाइडेंस डिस्प्ले, वाई–फाई, इलेक्ट्रॉनिक आरक्षण चार्ट आदि सुविधाएं प्रदान की गई हैं। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और प्लेटफॉर्म के विस्तार के कई काम पूरे हुए हैं और कई अन्य पर काम चल रहा है।

यह हमारे जमीनी स्तर के कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों के कारण है कि उत्तर मध्य रेलवे ने 2020–21 के लिए सिग्नल और दूरसंचार शील्ड हासिल की है।

राष्ट्र ने इस वर्ष आज तक के सबसे कठिन दौर का सामना किया है इसमें कोविड के कारण बीमार होने वालों और मृत्यु दर दोनों की बड़ी संख्या रही। मैं, हमारे चिकित्सा और अन्य कर्मचारियों के दृढ़ संकल्प और समर्पण को नमन करता हूं जिन्होंने हर चुनौती का पूरी निष्ठा के साथ सामना किया और महामारी के बावजूद अपना सर्वश्रेष्ठ दिया।

कोविड के विरुद्ध अपनी लड़ाई को ताकत देने के क्रम में हमने कानपुर, आगरा, झांसी और प्रयागराज में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित कर दिए हैं।

हमारे सुरक्षा बल न केवल यात्री सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं बल्कि मानवीय पहल के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उदाहरणस्वरुप, चाइल्डलाइन एनजीओ के साथ सहयोग, मेरी सहेली पहल पर काम करना और विभिन्न अवसरों पर अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जनता में देशभक्ति की भावना को जागृत करने का कार्य कर रहे हैं।

स्काउट्स एंड गाइड्स तथा सेंट जॉन एम्बुलेंस द्वारा दिखाई गई सेवा भी अनुकरणीय और सराहनीय है।

मैं अपनी मान्यता प्राप्त यूनियनों और संघों को उनकी सक्रिय भागीदारी और सौहार्दपूर्ण सहयोग के लिए भी बधाई देता हूं।

इस समय जब राष्ट्र आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और रेलवे से बहुत आशाएं हैं, आइए हम राष्ट्र सेवा के लिए खुद को फिर से समर्पित करें और अपने लोगों और अपने देश की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध रहें। आशा है कि यह नया साल उत्तर मध्य रेलवे के इतिहास में एक स्वर्णिम वर्ष के रूप में सामने आएगा और हम अपने क्षमता विस्तार कार्यों को पूरी गति से पूरा करेंगे। मेरा दृढ़ विश्वास है कि 66000 से अधिक ऊर्जावान, प्रतिबद्ध और समर्पित साथियों की एक टीम के साथ हम संरक्षा, सुरक्षा समय पालनता और स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए 2022 में नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

शुभकामनाओं सहित..

नववर्ष की मंगलकामनाएं

जय हिन्द!